PHDTT/MPHILTT

00352

Entrance Test for

Ph.D./M.Phil. (TRANSLATION STUDIES) Programme - 2016
पीएच.डी./एम.फिल (अनुवाद अध्ययन) कार्यक्रम के लिए प्रवेश परीक्षा - 2016

Time : 3 hours — *Maximum Marks : 100*

समय : 3 घंटे — *अधिकतम अंक : 100*

Note :

*(i) Attempt **all** questions.*

(ii) Marks are reflected against each question.

नोट :

*(i) **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) प्रत्येक प्रश्न के लिए निर्धारित अंक उसके सम्मुख दिए गए हैं।

PART - I

1. What do you mean by 'Research' ? Discuss the objectives of research. **20**

OR

Write an essay on Significance of Research.

2. Give a research proposal on a topic in any area pertaining to translation. **20**

OR

Discuss different types of research.

3. Write a short note on **any one** of the following : **10**
   (a) Primary and Secondary sources
   (b) Problematisation in research

PART - II

4. What do you understand by translation ? Discuss the importance of translation in a country like India. **20**

OR

Write an essay on the role of Translation in dissemination of knowledge.

5. (a) Translate the following into **Hindi**. **10**

We have learned that the dream serves a substitute for a number of thoughts derived from our daily life, and which fit together with perfect logic. We can not therefore, doubt that these thoughts have their own origin in our normal mental life. All the qualities which we value in our thought processes, and which mark them out as complicated performances of a high order, we shall find repeated in the dream thoughts. There is, however, no need to assume that this mental work is performed during sleep.

OR

The problem of human discourse is generally seen as articulating itself in the play of, in terms of three shifting 'concepts' : language, world, and consciousness. We know no world that is not organised as language, we operate with no other consciousness but one structured as a language - languages that we can not possess for we are operated by those languages as well. The category of language, then, embraces the categories of world and consciousness even as it is determined by them. Strictly speaking, since we are questioning the human being's control over the production of languages, the figure that will serve us better is writing, for these the absence of the producer and receiver is taken for granted.

(b) Translate the following into **English**. **10**

प्रभुसत्ता एक पूर्ण और असीम शक्ति है। यह अन्य किसी पर आश्रित नहीं। राज्य के भीतर सभी व्यक्ति और उनके समूह प्रभुसत्ताधारी के अधीन होते हैं। राज्य के बाहर भी प्रभुसत्ताधारी को अपने राज्य के संदर्भ में सर्वोच्च माना जाता है। अन्य कोई राज्य न तो उसके मामलों में हस्तक्षेप कर सकता है, न उसे किसी बात के लिए विवश कर सकता है। अन्तर्राष्ट्रीय संधियाँ और समझौते प्रभुसत्ता को नष्ट नहीं कर देते क्योंकि कोई राज्य इन्हें अपनाने को बाध्य नहीं होता। ये तभी तक मान्य होते हैं जब तक प्रभुसत्ता सम्पन्न राज्य उनका सम्मान करने को तैयार हो। अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय अन्तर्राष्ट्रीय कानून की व्याख्या तो कर सकता है, परन्तु उसे लागू करना उसके हाथ में नहीं।

OR

दूसरे दिन खा-पीकर हम लोग फिर उस बैठक में एकत्र हुए और हम लोगों के साथ श्याम भी आया। जब हम लोगों ने माणिक मुल्ला को बताया कि श्याम जमुना की कहानी सुनकर रोने लगा था तो श्याम झेंपकर बोला "मैं कहाँ रो रहा था?" माणिक मुल्ला हंसे और बोले कि "हमारी जिन्दगी में जरा सी पर्त उखाड़कर देखो तो हर तरफ इतनी गन्दगी और कीचड़ छिपा हुआ हैं कि सचमुच उस पर रोना आता है। लेकिन प्यारे बन्धुओं, मैं तो इतना रो चुका हूँ कि अब आँख में आँसू आता ही नहीं, अत: लाचार होकर हंसना पड़ता है। एक बात और है - जो लोग भावुक होते हैं और सिर्फ रोते हैं, वे रोधोकर रह जाते हैं, पर जो लोग हंसना सीख लेते हैं, वे कभी-कभी हंसते हंसते उस जिन्दगी को भी बदल डालते हैं।"

6. Write a short note on **any one** of the following : **10**

(a) Translating Poetry

(b) Future of Translation

-oOo-

खण्ड - I

1. 'शोध' से आप क्या समझते हैं? शोध के उद्देश्यों की चर्चा कीजिए। **20**

अथवा

शोध के महत्त्व पर एक निबंध लिखिए।

2. अनुवाद से संबंधित किसी क्षेत्र पर एक शोध प्रस्ताव दीजिए। **20**

अथवा

शोध के प्रकारों की विस्तृत विवेचना कीजिए।

3. निम्नलिखित में से **किसी एक** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : **10**

   (a) प्राथमिक एवं द्वितीयक स्रोत

   (b) शोध में समस्या निर्माण

खण्ड -II

4. अनुवाद से आप क्या समझते हैं? भारत जैसे देश में अनुवाद के महत्त्व की चर्चा कीजिए। **20**

अथवा

ज्ञान के प्रसार में अनुवाद की भूमिका पर एक निबंध लिखिए।

5. (a) निम्नलिखित का **हिन्दी** में अनुवाद कीजिए। **10**

We have learned that the dream serves a substitute for a number of thoughts derived from our daily life, and which fit together with perfect logic. We can not therefore, doubt that these thoughts have their own origin in our normal mental life. All the qualities which we value in our thought processes, and which mark them out as complicated performances of a high order, we shall find repeated in the dream thoughts. There is, however, no need to assume that this mental work is performed during sleep.

अथवा

The problem of human discourse is generally seen as articulating itself in the play of, in terms of three shifting 'concepts' : language, world, and consciousness. We know no world that is not organised as language, we operate with no other consciousness but one structured as a language - languages that we can not possess for we are operated by those languages as well. The category of language, then, embraces the categories of world and consciousness even as it is determined by them. Strictly speaking, since we are questioning the human being's control over the production of languages, the figure that will serve us better is writing, for these the absence of the producer and receiver is taken for granted.

(b) निम्नलिखित का **अंग्रेजी** में अनुवाद कीजिए। **10**

प्रभुसत्ता एक पूर्ण और असीम शक्ति है। यह अन्य किसी पर आश्रित नहीं। राज्य के भीतर सभी व्यक्ति और उनके समूह प्रभुसत्ताधारी के अधीन होते हैं। राज्य के बाहर भी प्रभुसत्ताधारी को अपने राज्य के संदर्भ में सर्वोच्च माना जाता है। अन्य कोई राज्य न तो उसके मामलों में हस्तक्षेप कर सकता है, न उसे किसी बात के लिए विवश कर सकता है। अन्तर्राष्ट्रीय संधियाँ और समझौते प्रभुसत्ता को नष्ट नहीं कर देते क्योंकि कोई राज्य इन्हें अपनाने को बाध्य नहीं होता। ये तभी तक मान्य होते हैं जब तक प्रभुसत्ता सम्पन्न राज्य उनका सम्मान करने को तैयार हो। अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय अन्तर्राष्ट्रीय कानून की व्याख्या तो कर सकता है, परन्तु उसे लागू करना उसके हाथ में नहीं।

अथवा

दूसरे दिन खा-पीकर हम लोग फिर उस बैठक में एकत्र हुए और हम लोगों के साथ श्याम भी आया। जब हम लोगों ने माणिक मुल्ला को बताया कि श्याम जमुना की कहानी सुनकर रोने लगा था तो श्याम झेंपकर बोला "मैं कहाँ रो रहा था ?" माणिक मुल्ला हंसे और बोले कि "हमारी जिन्दगी में जरा सी पर्त उखाड़कर देखो तो हर तरफ इतनी गन्दगी और कीचड़ छिपा हुआ हैं कि सचमुच उस पर रोना आता है। लेकिन प्यारे बन्धुओं, मैं तो इतना रो चुका हूँ कि अब आँख में आँसू आता ही नहीं, अत: लाचार होकर हंसना पड़ता है। एक बात और है - जो लोग भावुक होते हैं और सिर्फ रोते हैं, वे रोधोकर रह जाते हैं, पर जो लोग हंसना सीख लेते हैं, वे कभी-कभी हंसते हंसते उस जिन्दगी को भी बदल डालते हैं।"

6. निम्नलिखित में से **किसी एक** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए : **10**

(a) कविता का अनुवाद

(b) अनुवाद का भविष्य

-oOo-